माननीय राज्यपाल, हरियाणा व पंजाब और प्रशासक संघीय क्षेत्र, चण्डीगढ प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा 9 मई, 2016 को सेक्टर–17, चण्डीगढ में बहुमंजिला पार्किंग के उद्घाटन अवसर पर दिया गया भाषण।

चण्डीगढ की सांसद श्रीमती किरण खेर जी, नगरपालिक निगम चण्डीगढ के मेयर श्री अरूण सूद जी, पंचकुला के विधायक श्री ज्ञानचंद गुप्ता जी, मेरे प्रमुख सचिव श्री एम0 पी0 सिंह जी, चंडीगढ प्रशासन के होम सेक्रेटरी श्री अनुराग अग्रवाल जी, चण्डीगढ भाजपा के अध्यक्ष श्री संजय टंडन जी, नगर निगम के आयुक्त श्री बी0 पुरूषार्थ जी, चीफ इंजीनियर श्री मुकेश आनंद जी, सीनियर डिप्टी मेयर दिनेश मोदगिल जी, डिप्टी मेयर हरदीपसिंह जी, सभी उपस्थित Municipal Councilors, पूर्व मेयर महानुभाव, अन्य सभी प्रशासनिक अधिकारीगण, शहर के गणमान्य नागरिकगण, पत्रकार बंधुओ तथा इस शुभ अवसर पर उपस्थित भाइयो और बहनो!

आज का दिन बहुत शुभ है। अक्षय तृतीया का दिन है। यह दिन जान बूझकर आज के इस आयोजन के लिए चुना गया अथवा अनायास ही ऐसा हुआ? लेकिन जैसा भी हो आज के आयोजन के लिए यह दिन बहुत ही उपयुक्त और appropriate व समीचीन है। अक्षय तृतीया का दिन ऐसा दिन है कि किसी काम के लिए मुहुर्त नहीं देखना पड़ता। आपको कोई भी शुभ काम करना है, इसके लिए अपने यहाँ शुभ दिन और शुभ घड़ी देखने की परंपरा है। अक्षय तृतीया का दिन अपने आप ही हर कार्य के लिए शुभ है। इसलिए अक्सर लोगों को जब कोई शुभ दिन नहीं मिलता तो वे आज का दिन ही शादी के लिए भी चुनते हैं। इसलिए आज इस शुभ दिन पर चंडीगढ के नागरिकों को यहाँ के नगर निगम की तरफ से एक ऐसी चीज भेंट की जा रही है जो अपने आपमें प्रशंसनीय है, अद्वितीय है, सुविधाजनक है और अन्य शहरों के लिए मार्गदर्शक प्रोजैक्ट भी है।

मैं बैठे–बैठे सोच रहा था कि लोगों के रहने के लिए मल्टी स्टोरी बनाई जाती है। आज हमारे देश में सबसे बड़ी समस्या ही यह है कि लागों के रहने के लिए घर ही नहीं हैं। इसलिए शहरों को यह संकल्प जगाना पड़ता है कि यहाँ पर यह घोषणा करो कि आपके शहर में कोई व्यक्ति, कोई परिवार ऐसा नहीं होगा जिसके पास खुद का निवास न हो। देश के प्रधानमंत्री ने भी यह घोषणा की है कि जब तक 2022 आएगा तब तक देश के प्रत्येक परिवार के पास खुद का निवास होगा। इसलिए हम प्रत्येक परिवार को मकान मिले इसकी व्यवस्था करते हुए उनके लिए मल्टी बनाते हैं।

लेकिन चंडीगढ एक ऐसा शहर है जो कार के लिए मल्टी बना रहा है। कार उस मल्टी के अंदर रखी जाएगी। इसलिए इतनी अच्छी बात, इतना अच्छा तोहफा आज के दिन हम सब चंडीगढ निवासियों को प्राप्त हो रहा है, इसके लिए मैं यहाँ के नगर निगम का संपूर्ण मनोयोग से और संपूर्ण अन्तःकरण से स्वागत करता हूँ, अभिनंदन करता हूँ। जिन्होंने इस पार्किंग का प्लान बनाया, प्रोजेक्ट बनाया वे सब धन्यवाद के पात्र हैं।

जो काम 2013 से प्रारंभ हुआ आज तीन वर्ष के पश्चात 2016 में यह पूर्ण होकर हम सबके सामने आया है। वैसे सरकारी कामकाज, संस्था का कामकाज, सार्वजनिक

कामकाज इसके लिए तीन वर्ष कुछ ज्यादा नहीं होते। इसलिए मैं बधाई देना चाहता हूँ कि आपने इतनी जल्दीयह काम पूरा कर दिया। यह बात सही है कि इसमें लागत काफी लगी है। 48 करोड़ की लागत लगी है। यह सुनकर मुझे भी और आपको भी बहुत अच्छा लगा होगा कि पूरी की पूरी इकाई, Multi Level Parking सब दृष्टि से स्वयं पूर्ण है। जितनी चीजें मनुष्य के लिए आवश्यक हो सकती हैं, उसकी सुविधा के लिए जरूरी हो सकती हैं, वे यहां हैं। चाहे फिर वह Power हो, चाहे वाई–फाई की सुविधा हो, चाहे वेंटीलेशन की व्यवस्था हो, पैदल नहीं जा सकते तो लिफ्ट में जाने की व्यवस्था हो, सारी की सारी चीजें तो आपने इसमें कर दीं। इसलिए यह Multi Level Parking नगर निगम जो हम सब को प्रदान कर रही है, सौंप रही है, चंडीगढ की प्रगति में बहुत बड़ा मील का पत्थर साबित होगी।

हर्ष का विषय है कि आज चंडीगढ कई दृष्टि से आगे बढ रहा है। ट्राइसिटी को जोड़ने वाली मैट्रो की सुविधा का प्लान यहाँ पर तैयार हुआ है, उसको मंजूरी मिली है। केंद्र सरकार के साथ बैठकर इसकी योजना बनाकर इसे पूरा करने की योजना है। यह भी एक ऐसा ही योजना है जैसी यह Multi Level Parking की है। यहाँ का रेलवे स्टेशन जब बनकर तैयार होगा, जो उसका खाका तैयार किया गया है, जो उसका विचार संजोया गया है, वह जब पूरा होगा तो आपको जर्मनी में बर्लिन के स्टेशन पर नहीं जाना पड़ेगा। बर्लिन के स्टेशन की सारी सुविधाएँ आपको यहाँ के रेलवे स्टेशन पर मिलेंगी।

इसी प्रकार चंडीगढ के लिए सोचा गया है कि यह पूरी तरह से स्लम फ्री होगा, कोइ स्लम नहीं होगा। आगे आने वाले समय में सबको मकान दिए जाएँगें। यहाँ का housing board इसके लिए प्रयासरत है। हजारों की संख्या में housing board ने मकान बनाकर दिए हैं। आगे भी हजारों मकान बनाने की उनकी अपनी योजना है और चंडीगढ में कोई बिना मकान के न रहे यह बात ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं। यह स्लम फ्री तो होगा ही, यहां 24 घंटे पर पानी भी मिलेगा। पानी की यहाँ पर कोई कमी थी जो उसके लिए पंजाब और हरियाणा के सहयोग से व्यवस्था की गई है कि चंडीगढ को 40 मिलीयन गेलन पानी अतिरिक्त मिले। आगे और भी कई चीजें हैं जो चंडीगढ में लागू की जाएंगी जैसे कि चंडीगढ कैरोसीन फ्री होगा।

जैसा कि अभी स्मार्ट सिटी की बात चल रही थी। चंडीगढ किसी कारण से स्मार्ट सिटी में पीछे रह गया। लेकिन आप अगर उसकी गहराई में जाएँगें तो 100 में से जो 20 शहर केंद्र सरकार के द्वारा पहले राउंड में स्मार्ट सिटी के रूप में चुने जाने थे उसके जो पैरामीटर हैं वे International Agency के द्वारा तय किए गए थे। क्योंकि यह स्मार्ट सिटी कल्पना पूरे विश्व की है। International पैरामीटर को ध्यान में रखकर फिर वे पैरामीटर circulate किए गए थे। सबको कहा गया था कि इन सब पैरामीटर के आधार पर अपना–अपना प्रोजेक्ट तैयार करके दो। उनका चयन हुआ। कई शहर उसमें चुने गए। लेकिन चंडीगढ स्मार्ट सिटी लायक नहीं था ऐसा नहीं है। मुझे तो उल्टा लगता है कि चंडीगढ तो पहले से ही स्मार्ट सिटी है। अगर यह स्मार्ट सिटी घोषित नहीं हुआ तो चिंता करने की जरूरत नहीं है, यह तो वैसे ही स्मार्ट सिटी है। इसलिए हमारे स्थान पर

इसके लिए हमारे देश के दूसरे नगर चुने गए हैं तो यह और अच्छी बात है। जो International पैरामीटर थे उनके अनुसार हमारा जो प्रोजेक्ट गया होगा कोई टैक्निकल कठिनाई उसमें रही होगी। स्वयं चंडीगढ नगर में कोई कठिनाई नहीं है। चंडीगढ तो अपने आप ही एक स्मार्ट सिटी है। दूसरा प्लान जो हमारे प्रशासन ने तैयार किया है उसमें चंडीगढ एक स्मार्ट सिटी के रूप में अवश्य आएगा।

लेकिन आप दूसरे की तरफ क्यों देखते हैं, आप दूसरे पर निर्भर क्यों करते हैं? दूसरे लोग प्लान को मंजूर करें, केंद्र हमको पैसा दे, उसके पश्चात हम स्मार्ट सिटी बनेंगे। यह इच्छा करना बुरा नहीं है, क्योंकि हम देश के अंग हैं। लेकिन हम इच्छा करते क्यों हैं? आप खुद स्मार्ट सिटी बन सकते हैं बशर्ते आप का दिमाग स्मार्ट हो। इसलिए किसी भी शहर को सुंदर और स्मार्ट सिटी बनाना है तो वहाँ के लोग स्मार्ट होने चाहिएं। अगर हम कुछ चाहते हैं तो कुछ देना सीखें, हम आगे आएं। अगर चंडीगढ में कोई law and order की problem है, शान्ति व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता ये भी सब चीजें अगर लानी हैं तो ये सब चीजें यहाँ के निवासियों पर निर्भर हैं। इसलिए अगर mind set हमारा वैसा बनता है तो चंडीगढ तो वैसे ही नम्बर एक है। आपके mind set अनुसार यह निश्चित रूप से नम्बर एक पर ही आएगा।

आप जरा विचार तो करिए देश में आजकल जो स्वच्छता अभियान चला हुआ है, उस स्वच्छता अभियान का पूरे देश के शहरों का सर्वे हुआ, विश्लेषण हुआ और पूरे देश के जितने शहर हैं उन शहरों के सर्वे के पश्चात चंडीगढ पूरे देश में नम्बर दो पर आया। मैसूर नम्बर एक पर है, चंडीगढ नम्बर दो पर है। तो आप तो पहले ही इंडिया के मैप पर सर्वोत्तम हैं, उत्कृष्ट हैं। जहाँ तक स्वच्छता का सवाल है, greenery का सवाल है चंडीगढ अपने आप ही एक सुंदर शहर है। उस सुंदर शहर के अंदर आप सर्जरी का विचार करिए, हॉस्पीटल का विचार करिए तो जितने union territory हैं उनमें चंडीगढ नम्बर एक पर है। टी0 बी0 उपचार का अगर विचार करेंगे तो चंडीगढ नम्बर दो पर है। शिशु मृत्यु दर को कम करने का अगर विचार करेंगे तो चंडीगढ नम्बर तीन पर है। इन सब चीजों में हमें उभरकर आगे आना है और सबमें नम्बर एक बनना है।

इसी नम्बर एक बनने की दिशा में चंडीगढ नगर निगम के द्वारा जो Multi Level Parking प्रदान की जा रही है वह एक कड़ी साबित होगी। चंडीगढ में लोग आएँगे, Multi Level Parking को देखेंगे, यहाँ की व्यवस्था को देखेंगे, यहाँ की सुविधा को देखेंगे और मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। इस पार्किंग के संबंध में हमारे कुछ व्यापारी मुझे मिले थे उनकी चिंता हमारे मेयर को है। हम वह करेंगे जो आपके लिए ठीक है। अगर जनता की सुविधा के लिए प्लान में किसी भी तरह की कोई परिवर्तऩ करने की जरूरत है तो वह परिवर्तऩ हम जरूर करेंगे। आज के शुभ दिन पर Multi Level Parking देने के लिए हम निगम का धन्यवाद करते हैं और आप सबको शुभकामनाएँ देते हैं। चंडीगढ की प्रगति में आप सब लोग इसी प्रकार अपना भरपूर सहयोग देते रहें।

धन्यवाद!